अंक 2
वर्ष 1
अगस्त 2007

मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिक परिषद् का त्रैमासिक न्यूज लेटर

जैव प्रौद्योगिकी

संरक्षक
श्री विनोद चौधरी
अपर मुख्य सचिव,
म.प्र. शासन, जैव विविधता
एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग,
भोपाल.

संपादक
श्री आर.बी. सिन्हा
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद,
भोपाल.

सह सम्पादक
डॉ.(श्रीमती) मोनी माथुर
सलाहकार

संपादक मंडल
डॉ. रवि उपाध्याय
श्री नित्यानंद श्रीवास्तव

संपादकीय

छात्रों में जैव प्रौद्योगिकी विषय में अध्ययन के लिये बढ़ते रुझान को दृष्टिगत रखते हुए इस सत्र से प्रदेश के कई महाविद्यालयों में इस विषय में अध्ययन प्रारंभ किया गया है। विगत सत्र में जहां 4000 से अधिक छात्र स्नातक कक्षाओं में जैव प्रौद्योगिकी विषय में अध्ययनरत थे इस सत्र में इस संख्या में अभिवृद्धि हुई है। जैव प्रौद्योगिकी में दक्ष मानव संसाधन की मांग निरंतर वृद्धि की ओर है। बैंगलोर बायो-2007 के उद्घाटन समारोह में जैव प्रौद्योगिकी उद्योग की प्रथम महिला डॉ. श्रीमती किरण मजूमदार शॉ ने विचार व्यक्त किये कि दक्ष मानव संसाधन की खपत मुख्यतः इण्डस्ट्री में है। दूसरी ओर इण्डस्ट्री का अभिमत है कि अध्ययन उपरांत भी इण्डस्ट्री के लिये आवश्यक विशिष्ट प्रायोगिक कौशल एवं दक्षता छात्र प्राप्त नहीं कर पाते।

छात्रों के प्रायोगिक कौशल में वृद्धि हेतु म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा प्रयास प्रारंभ किये जा रहे हैं। जैव प्रौद्योगिकी विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों को विशिष्ट प्रयोगशालाओं में प्रशिक्षण के लिये योजना बनाई गई है। प्रदेश के अनुसंधान केन्द्रों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तथा शोध संस्थाओं में वित्तीय पोषण करके शोध परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही है जिससे प्रदेश में अनुसंधान को बढ़ावा मिल सके तथा दक्ष मानव संसाधन विकसित हो सके।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद्,
भोपाल

जैव विविधता एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग
मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद्
तृतीय तल, 26 किसान भवन, जेल रोड अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
दूरभाष : 0755-2577185, 2577186 फेक्स नं. 0755-2577187
e- mail - mpbiotechcouncil @ rediffmail.com website : www.mpbiotech.org